अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक–: नवविंशतिः पुष्प, मई 2024

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

सम्पादक की कलम से –

प्रिय पाठकों बात सतयुग की है जब जनक जी ने सीता जी का स्वयंवर रखा था उस समय जब धनुष कोई उठा नहीं पाया था, तब जनक जी ने कहा था "हे देश–देश के राजा गण हम किसे कहें बलशाली है, हमको तो यह विश्वास हुआ पृथ्वी वीरों से खाली है" तब लक्षमण जी जनक जी से काफी नाराज हुए थे। ऋषि विश्वामित्र जी की आज्ञा से भगवन राम ने उस धनुष को तोड़ा था। अपने भारत में कभी भी वीरों की कमी नहीं रही है। आज हम भारत के इतिहास के एक वीर योद्धा के बारे में बात करेंगे जिन्होंने अपनी वीरता, स्वाभिमान और साहस से लोगों को सदैव प्रेरणा दी है। वे हैं मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप, जिन्होंने मुगल सम्राट अकबर की विशाल सेना के सामने भी हार नहीं मानी। ऐसे महान पुरुष का जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। उनका जन्म हिन्दी तिथि के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया को माना जाता है। महाराणा प्रताप मेवाड़ के एक बहादुर राजा थे जिन्होंने अकबर के खिलाफ कई महत्वपूर्ण लड़ाइयाँ लड़ीं, जिनमें 1576 में हल्दीघाटी की लड़ाई भी शामिल है। हल्दीघाटी का युद्ध बादशाह अकबर और राजपूत राजा महाराणा प्रताप के बीच लड़ा गया था। इस युद्ध में अकबर के पास 80 हजार से ज्यादा सैनिक थे जबकि राजपूतों के पास केवल 20 हज़ार सैनिक थे। 3 घंटे तक चले इस भीषण युद्ध में, राजपूतों ने साहस और वीरता का प्रदर्शन किया। भले ही मुगल सेना संख्या में कहीं अधिक थी, लेकिन इसके बाद भी राजपूतों ने हार नहीं मानी। वहीं महाराणा प्रताप, बुरी तरह से घायल होने के बावजूद भी युद्धक्षेत्र में डटे रहे। हल्दीघाटी का विश्वप्रसिद्ध युद्ध, इतिहास का सबसे बड़ा युद्ध था, इसमें मुगलों और राजपूतों के वर्चस्व को लेकर खूनी संघर्ष हुआ। लेकिन भारत के वीर पुत्र महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और मातृभूमि की रक्षा के लिए अंत तक लड़ते रहे। हल्दीघाटी का यह युद्ध कई दिनों तक चला। इससे अन्न, जल की कमी होने लगी लेकिन इस विपत्ति का सामना करते हुए वहां की वीर महिलाओं ने बच्चो और सैनिको के लिए स्वयं का भोजन त्याग दिया। उनके हौसलों को देख कर अकबर भी प्रसंशा करने लगे थे। लेकिन अंत में अन्न के आभाव में प्रताप यह युद्ध हार गए। अकबर ने भले ही हल्दीघाटी युद्ध जीता हो मगर वह महाराणा प्रताप को हराकर अपने कब्ज़े में न कर सका। अकबर को इस बात का मरते दम तक दुःख रहा कि वह महाराणा प्रताप को पकड़ न सका। वहीं कुछ समय बाद महाराणा प्रताप की मृत्यु 57 वर्ष की आयु में 19 जनवरी 1597 को हो गयी। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक, वह जंगल में एक दुर्घटना की वजह से घायल हो गए थे। महाराणा प्रताप न केवल भारत के वीर योद्धा थे, बल्कि वे एक आदर्श व्यक्ति भी थे। उनकी वीरता की कहानियां आज भी लोगों को प्रेरित करती है। उनके जीवन से हमें कठिन परिस्थितियों में हार न मानने और नेतृत्व, अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण गुणों को सीखने का अवसर मिलता है।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक
पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

लखनऊ संकुल

मतदाता जागरूकता बैठक सम्पन्न हुयी

लखनऊ,सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर क्यू अलीगंज में आज सायं 4 बजे लखनऊ महानगर के समस्त शिशु मंदिर ,विद्या मंदिर के आचार्यों और प्रधानाचार्यों की एक सम्मिलित बैठक मतदाता जागरूकता के लिए संपन्न हुई । मुख्य अतिथि माननीय हेमचंद्र जी ,प्रदेश निरीक्षक श्रीमान रामजी सिंह , विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र ,कमल ज्योति के प्रबंधक श्री राज कुमार जी ,श्रीमान मनोज जी तथा बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य भूमिका में थे । प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह ने आए हुए अतिथियों का परिचय व स्वागत किया । रामजी सिंह ने लोकतंत्र के महासमर में हमारी भूमिका की प्रस्तावना रखी, उन्होंने कहा हम आचार्य

चाणक्य की परंपरा के लोग हैं जो श्रेष्ठ व्यक्ति को देश की गद्दी पर बैठाना जानते हैं । विद्यालय के संगीताचार्य नरेंद्र जी ने एकल गीत के द्वारा भारत के स्वाभिमान को याद दिलाया । मुख्य अतिथि आदरणीय हेमचंद्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा की हम दो प्रकार की जिम्मेदारी निभाते हैं । पहला शैक्षिक और दूसरा सामाजिक । उन्होंने विज्ञान मेला ,गणित मेला ,संस्कृति बोध परियोजना तथा खेल प्रतियोगिताओं की चर्चा की । ग्रीष्मावकाश में गृहकार्य के रूप में प्रोजेक्ट वर्क देने पर हमारे भईया बहन अधिक समय लगाएंगे और मेहनत व चर्चा करेंगे । आचार्य परिवार भी कुछ माडल बना कर लायेंगे । इस समय चल रहे लोकतंत्र के महासमर में वोट का बहुत महत्व होता है । दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र बड़ी संख्या में सुप्त सज्जन शक्ति रहती है जिसे हमें जगाना है और उन्हें पोलिंग स्टेशनों तक ले जाना है । संगठन मंत्री जी ने कहा कि हम आचार्य , समाज को जागृत कर नई दिशा दे सकते हैं । हम सभी लोगों को वोट का महत्व समझा कर उन्हे वोट देने के लिए आग्रह करना है । हम भारत माता को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहते हैं ।

भगवद् गीता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया

जिसका शुभारम्भ सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज में श्रीमद भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। विद्यालय के माननीय प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र जी तथा विभाग प्रचारक आदरणीय अनिल जी ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर प्रतियोगिता प्रारंभ कराई । कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती आरती मिश्रा ने बताया कि प्रबंधक जी की प्रेरणा से यह प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति, परम्परा तथा मूल्यों को घर घर पहुंचाने की दृष्टि से आयोजित की गई है । उन्होंने बताया कि प्रबंधक जी द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भईया / बहन को 1000 रुपए , द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 500 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 300 रुपए तथा 3 सांत्वना पुरस्कार उनके व्यक्तिगत (कोश) से दिया जाएगा । तीन समूहों (कक्षा 4,5),(कक्षा 6,7,8)तथा कक्षा 9 में विभाजित कर यह प्रतियोगिता आयोजित की गई । विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र (पूर्व प्रवक्ता गणित) ने अपने आशीष वचन में कहा कि बचपन में सीखे गए अच्छे कार्यों का प्रभाव पूरे जीवनकाल तक अमिट रहता है । उन्होंने अपने जीवन के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि बचपन में हमारे बाबा जी 1 रुपए इनाम देकर हमें गीता के एक श्लोक याद कराते थे तथा सायं को हम सभी बच्चों को भजन कीर्तन करना रहता था । इसका प्रभाव मेरे पूरे जीवन पर दिखाई देता है । विद्याभारती के विद्यालय शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी देते हैं जो हमारे भईया बहनों को श्रेष्ठ नागरिक बनाते हैं । मुख्य अतिथि विभाग प्रचारक श्रीमान अनिल जी ने अपने आशीष वचन में कल्प वृक्ष की प्रेरणा दायक कहानी सुनाकर बताया कि जैसा हम सोचते हैं वैसा ही हमारा जीवन बन जाता है ।

अयोध्या संकुल

मेधावियों का सम्मान किया गया

अयोध्या, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उ.मा विद्यालय नानकपुरा साकेत अयोध्या में सत्र 2023–24 के कक्षा दशम उत्तीर्ण एवं स्थान प्राप्त मेधावी छात्र भैया/बहन का सम्मान समारोह आयोजित किया गया । मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.एस.एस. के महानगर प्रचारक आ. सुबन्धु जी एवं अध्यक्ष विद्यालय के प्रबन्धक श्रीमान विवेक अग्रवाल जी उपस्थित रहे। अतिथि परिचय,सम्मान एवं प्रस्तविकी विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विजय कुमार सिंह जी ने किया । कक्षा दशम के भैया नवनीत सिंह जी ने 95: अंक प्राप्त कर साकेत संकुल में चल रहे विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार के साथ विद्यालय को भी गौरवान्वित किया । इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि जी को प्रबंधक जी द्वारा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया । माननीय मुख्य अतिथि की प्रबंध जी एवं प्रधानाचार्य जी द्वारा मेधावी छात्र भैया/ बहन और उनके अभिभावक को माला पहनकर मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक श्रीमान आशीष श्रीवास्तव जी नेतथा अतिथियों एवं आगन्तुकों केप्रति आभार ज्ञापनश्रीमान कृष्ण कुमार तिवारी जी ने किया । इस अवसर पर विद्यालय के भैया बहन अभिभावक एवं समस्त आचार्य एवं बहनें उपस्थित रहें । भैंया / बहिनों एवं शिक्षकों में कार्यक्रम के प्रति उत्साह दृष्टिगोचर हुआ ।

शपथ दिलाई गयी

शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज तुलसीनगर अयोध्या में "सड़क सुरक्षा पखवाड़ा "के अन्तर्गत विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल द्वारा छात्रों को जागरूक करते हुए शपथ दिलाई गई। साथ ही हिंदी विषय की आचार्या श्रीमती उर्मिला जी के संयोजन में निबंध प्रतियोगिता तथा वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

मेधावियों का हुआ सम्मान

सरस्वती विद्या मंदिर रामनगर साकेत, अयोध्या में हाई स्कूल में पास हुए भैया बहनों का प्रतिभा अलंकरण समारोह संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर आरके सिंह (प्रबंधक)डॉ आभा सिंह(वरिष्ठ सदस्य) श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी (प्रधानाचार्य) आचार्य बंधु श्री विश्वनाथ जी, अमित पांडे जी, अभिषेक जी , राम शंकर जी तथा अन्य सम्मानित अतिथि गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या मंदिर की सांस्कृतिक पद्धति मां शारदा के चरणों में दीपार्चन एवम पुष्पार्चन करने के साथ प्रारंभ हुआ । मुख्य अतिथि माननीय प्रोफेसर आर०के सिंह ने उत्तीर्ण बच्चों को मेडल व माला पहनाकर सम्मानित किया । इसी क्रम में डॉक्टर आभा सिंह ने बच्चों को मिष्ठान खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की बधाई दी। प्रधानाचार्य मंगली प्रसाद तिवारी जी ने बच्चों को प्रेरणादायक संबोधन के साथ जीवन में आगे बढ़ाने की तमाम तरीके भैया बहनों को बताए तथा इस कार्यक्रम का समापन श्री जोशी जी द्वारा शांति मंत्र के उपरांत हुआ ।

सीतापुर संकुल

अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज महोली में बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उमा कान्त शुक्ल व कार्यक्रम के अध्यक्ष नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी श्रीश कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर आयोजन का उद्घाटन किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यअतिथि ने बच्चों से कहा कि यह समय उनके जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।विद्यार्थियों को चाहिए कि वह अच्छे लोगों का साथ करें।अराजक तत्वों से दूर रहे।अपने माता पिता और गुरुजनों का हमेशा आदर करें।कानून के पालन का स्वभाव बनाएँ।अच्छी शिक्षा प्राप्त करके श्रेष्ठ नागरिक बनें और देश तथा समाज की सेवा करें।कार्यक्रमाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि श्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता।परिश्रम से असम्भव को भी सम्भव किया जा सकता है।जिन छात्र–छात्राओं ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से आज पुरस्कार अर्जित किए हैं मैं उन्हें बहुत–बहुत बधाई देते हुए सभी छात्रों से कहना चाहूँगा कि वे इनसे प्रेरणा लेकर आगामी परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करें।हाईस्कूल के टापर आस्था वर्मा–561अंक, आयुष कुमार–549, सूर्यांश मिश्र–548, अभय दीक्षित–541, करन पटेल–541, आयुष वर्मा–535 इसी प्रकार इण्टर के यश दीक्षित 462, दिपाली कश्यप 460, प्रिया त्रिपाठी 452, अंकुश अवस्थी–451, रितिका अवस्थी–443 अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को अतिथियों ने तिलक वन्दन माल्यार्पण कर व स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य स्वामी नाथ द्विवेदी ने अतिथि परिचय व कार्यक्रम की भूमिका रखते बताया कि विद्यालय का बोर्ड परीक्षाफल बहुत ही उत्कृष्ट रहा।हाईस्कूल व इण्टर में सभी परीक्षार्थी श्रेष्ठ अंकों के साथ उत्तीर्ण रहे।शत प्रतिशत परीक्षाफल विद्यालय की परम्परा भी रही है।इसके लिए छात्रों की मेहनत, आचार्यों का सही मार्गदर्शन व अभिभावकों का अपेक्षित सहयोग मिला। सभी को बधाई है। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक डा. चन्द्र शेखर गुप्ता, प्रबन्धक डा. रूप चन्द्र वर्मा, अध्यक्ष नरेन्द्र अग्निहोत्री, कोषाध्यक्ष बसन्त लाल त्रिवेदी तथा अभिभावक, अध्यापक, छात्र–छात्राएँ व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

लखीमपुर संकुल

भगवान परशुराम की जयन्ती मनाई गयी

श्री तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पलिया कला खीरी की वन्दना सभा में आज भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती नूतन उत्साह के साथ मनाई गई। जिससे विद्यालय के प्रथम सहायक सुनीत कुमार मिश्र जी ने अक्षय तृतीया के दिन का महत्व बताते हुए कहा कि आज ही के दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का अवतार , गंगा अवतरण , मां अन्नपूर्णा का जन्मोत्सव, सतयुग और त्रेतायुग का प्रारम्भ , ब्रह्मा जी के पुत्र अक्षयकुमार का जन्मदिवस भी हुआ था । प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री बद्रीनाथ के कपाट आज के ही दिन खोले जाते है। बृंदावन में बांकेबिहारी मन्दिर में आज के ही दिन विग्रह चरणों के दर्शन होते है। महाभारत का युद्ध आज के दिन समाप्त हुआ था। अक्षयतृतीया सिद्ध मुहूर्त है इस दिन कोई भी शुभकार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम परम पितृभक्त थे। और उनकी विशेषता बताते हुए कहा कि शान्त हैं तो राम भड़क गए तो परशुराम का वर्णन करते हुए कहा कि अनेकों बार उन्होंने पृथ्वी जीतकर ब्राह्मणों को दान में दे दिया। सीता स्वयंवर में जब उनको यह पता चला कि रामावतार हो चुका है तो राम को आशीर्वाद देकर हिमालय पर्वत पर तपस्या के लिए प्रस्थान कर गये। इस मंत्र से सभी को उनकी आराधना करनी चाहिए – ऊँ जमदग्नाय विदमहे महावीराय धीमहि तन्नो परशुरामः प्रचोदयात् कार्यक्रम में सभी आचार्य/आचार्या बहिने ,भैया बहिन उपस्थित रहे।

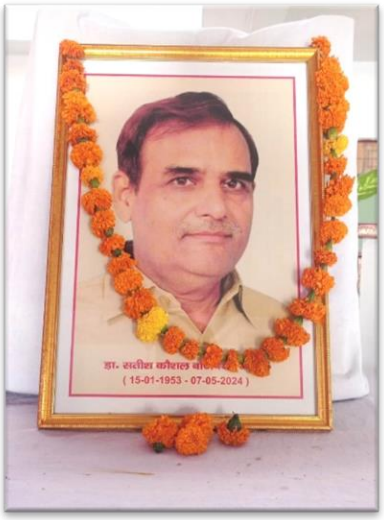

भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी

विद्या भारती विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (यूपी बोर्ड) लखीमपुर खीरी में विद्यालय के संस्थापक उपाध्यक्ष व वर्तमान अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डा0 सतीश कौशल वाजपेई जी 'मौनी जी' को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्धक श्री विमल अग्रवाल जी ने कहा हमने अपना बहुमूल्य साथी खोया है इस विद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक हम लोग साथ–साथ चल रहे थे डॉक्टर साहब उदार हृदय के और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे वह हर वर्ष अपने पिताजी की याद में विद्यालय में बोर्ड परीक्षा में प्रथम आने वाले भैया को शुद्ध सोने का मेडल प्रदान करते थे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह जी ने बताया की डॉक्टर साहब नगर के विभिन्न विद्यालयों में गरीब छात्रों का बिना अपना नाम बताएं शुल्क भी जमा करवाते थे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न पदों का निर्वहन बड़ी सादगी से और ईमानदारी से किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री सर्वेन्द्र कुमार अवस्थी जी नें बताया कि डा0 साहब से जब भी कोई व्यक्ति सहायता के लिए कहता था तो वे पूरे तन, मन, धन से उस कार्य को करते थे और आग्रह करते थे कि नाम न आये यह सब ईश्वर को समर्पित है। इसी प्रकार विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री राजेन्द्र प्रसाद ओझा जी नें बताया कि जब भी डा0 साहब से मुलाकात होती थी तो वो यही कहते थे कि और राजेन्द्र क्या चल रहा है विद्यालय कैसा चल रहा है तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ का हाल–चाल पूछते थे। इसके बाद विद्यालय के समस्त स्टाफ और कर्मचारी भैयाओ ने चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन किया।

महाराणा प्रताप की जयन्ती मनायी गयी

विद्या भारती विद्यालय पंडित दीन दयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (यूपी बोर्ड) लखीमपुर खीरी में महाराणा प्रताप जी की जयंती का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर योगेंद्र प्रताप सिंह जी ने मां सरस्वती और महाराणा प्रताप जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। विद्यालय के रसायन विज्ञान प्रवक्ता आचार्य श्री आशीष मिश्रा जी ने बताया कि महाराणा प्रताप ने जंगल में रहकर घास की रोटियां खाना स्वीकार किया परंतु अकबर की दासता को स्वीकार नहीं किया उन्होंने बताया महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। इनके पिता का नाम उदय सिंह था और यह राणा सांगा के पौत्र थे। ऐसा कहा जाता है कि महाराणा प्रताप तब 72 किलो का कवच पहनकर 81 किलो का भाला अपने हाथ में रखते थे। भाला, कवच और ढाल–तलवार का वजन कुल मिलाकर 208 किलो था। राणा 208 किलो वजन के साथ युद्ध के मैदान में उतरते थे। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा महाराणा प्रताप और उनके घोड़े चेतक की वीरता की गाथा श्याम नारायण पांडे द्वारा रचित रचना हल्दी घाटी में मिलती है। हमें महाराणा प्रताप से आज के दिन यह शिक्षा लेनी चाहिए कि परिस्थितियॉ चाहे कितनी भी खराब क्यों ना हो लेकिन हमें गलत के साथ समझौता नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ और भैया बहन उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की जयन्ती मनायी गयी

विद्या भारती विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलरायां – खीरी प्रातः वन्दना बेला में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान अजीत सिंह जी व वरिष्ठ आचार्य श्री पवन कुमार सिंह जी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजीव सिंह जी ने मां सरस्वती,पवित्र ओम, भारतमाता व महाराणा प्रताप के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के कार्यक्रम प्रमुख आचार्य श्री पवन कुमार सिंह जी महाराणा प्रताप के जीवन व चरित्र पर प्रकाश डालते हुए भैय्या/बहिनों को बताया कि इन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा व समाज हित के लिए अपने सम्पूर्ण जीवन की बलि चढ़ा दी। वीर सपूत महाराणा प्रताप ने सोने, चांदी और महलों का त्यागकर 20 वर्षों तक मेवाड़ के जंगलों में भटकते रहे। वहां इन्हें घास की रोटियां खानी पड़ी पर इन्होंने अकबर के सन्धि– प्रस्ताव को ठुकरा दिया। महाराणा प्रताप अपने देश की स्वतंत्रता के लिए सदैव तत्पर रहते थे। इन्होंने अपने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन की परवाह नहीं की। महाराणा प्रताप के सबसे प्रिय और वफादार घोड़े चेतक ने दुश्मनों के सामने अद्भुत वीरता का परिचय दिया। इनके जीवन से भैय्या/बहिनों को यह शिक्षा लेनी चाहिए कि जो व्यक्ति चुने हुए रास्ते पर,अपने लक्ष्य को दिमाग में रखकर परिश्रम करता है और आत्म विश्वास को कम नहीं होने देता है वह निश्चित रूप से सफलता को प्राप्त करता है। विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख आचार्य श्री विनीत कुमार तिवारी जी ने मंचासीन अतिथि का आभार ज्ञापन किया।इस अवसर पर समस्त आचार्य परिवार व भैय्या/बहिनों की उपस्थिति रही।

बहराइच संकुल

मेधावियों को सम्मानित किया गया

बहराइच में वंदना स्थल पर इस वर्ष के बोर्ड परीक्षा कक्षा 10 में जनपद में स्थान प्राप्त करने वाले एवं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले प्रिय भैया/ बहनों को आदरणीय प्रधानाचार्य श्री रवि कुमार शुक्ल जी द्वारा, श्री आलोक कुमार श्रीवास्तव जी, श्री राजेंद्र कुमार मिश्र जी,श्री वेद प्रकाश मिश्र जी,श्री अनूप कुमार गुप्ता जी एवं श्री जितेन्द्र बाजपेई जी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित आचार्य बंधु , समस्त आचार्या बहिनें एवं समस्त भैया/ बहिनें उपस्थित रहीं।

रायबरेली संकुल

मेधावियों को सम्मानित किया गया

सरस्वती शिशु मंदिर बाबूगंज में शिशु भारती के भैया बहनों का विधिवत शपथ ग्रहण करवाया गया इस मौके पर प्रबंध समिति के सदस्य श्री राम सुमेर मौर्य जी विद्यालय की प्रधानाचार्य श्री वीरेंद्र विक्रम सिंह ने भैया बहनों को अनुशासन में रहने की जानकारी दिया और कहा कि वर्ष भर ठीक प्रकार से अपने–अपने पदों का निर्वहन करेंगे भैया तथा इस मौके पर श्रीरणपाल सिंह श्री दिलीप सिंह लक्ष्मी बहन जी वंदना बहन जी मनीषा बहन जी आज उपस्थित रहे।

मताधिकार का प्रयोग किया गया

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रायबरेली में विद्या भारती की प्रान्तीय योजना अनुसार छात्र संसद के सृजित पदों में तीन पद (अध्यक्ष, प्रधानमंत्री,सेनानायिका) के लिए चुनाव कराया गया। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु कक्षा 10 की छात्रा स्वाति देवी का सीधा संघर्ष कक्षा 12 की छात्रा अपूर्व सिंह से है। प्रधानमंत्री पद के लिए स्वास्तिक चुनाव चिन्ह से आयुषी मौर्य एवं कमल के फूल चुनाव चिन्ह के साथ अंशिका सिंह चुनाव मैदान में रही। सेनानायिका पद हेतु उर्वशी गुप्ता, सताक्षी शर्मा, आयुषी मिश्रा एवं हर्षिका चुनाव मैदान में रही। लोकतंत्र के महापर्व में विद्यालय की सभी छात्राओं ने हर्षोल्लास से सहभाग करते हुए 100 प्रतिशत मतदान किया। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में अपने घर–परिवार एवं उसके जानने वाले लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी छात्राओं, आचार्य, आचार्या कर्मचारी एवं प्रधानाचार्या सहित समस्त विद्यालय परिवार ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के पश्चात चुनाव परिणाम घोषित किया गया जिसमें प्रधानमंत्री पद पर अंशिका सिंह, अध्यक्ष पद पर स्वाति देवी तथा सेनानायिका पद पर आयुषी मिश्रा सबसे अधिक मत पाकर विजयी रही प्रधानाचार्या श्रीमती निधि देवी जी ने सभी छात्रों को लोकतांत्रिक प्रणाली से अवगत कराया।

बलरामपुर संकुल

सम्मानित किया गया

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रमनापार्क बलरामपुर प्रबंध समिति के द्वारा श्री राजेन्द्र सिंह जी मोहल्ला तुलसी पार्क बलरामपुर को उनके सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए अंग वस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ कौशल्या जी, प्रबंधक डॉक्टर सतीश सिंह जी , कोषाध्यक्ष संजय शर्मा जी, प्रधानाचार्य राम तीरथ यादव जी उपस्थित रहे। संयुक्त रूप से समिति के पदाधिकारी द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बाराबंकी संकुल

विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग बाराबंकी के पूर्व छात्र परिषद के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक शरण गुप्त के संयोजकत्व में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद 2023–24 के बोर्ड के परीक्षा परिणाम में सरस्वती विद्या मंदिर केशव नगर लखपेड़ाबाग बाराबंकी के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जनपद बाराबंकी की प्रथम नागरिक एवं वर्तमान लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती राजरानी रावत जी के द्वारा हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को मां सरस्वती के समक्ष माला पहनाकर सम्मानित किया गया एवं उत्साहवर्धन हेतु आशीर्वचन दिए गए एंव विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री देवी शरण गुप्त सहित समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

उन्नाव संकुल

विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न

गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव स्थित स0वि0म0इ0का0 में आज हाई स्कूल व इण्टर मीडिएट की बोर्ड परीक्षा में जनपद में स्थान लाये भैया बहिनों को पुरस्कृत किया गया । इण्टर मीडिएट में बहिन दीक्षा शुक्ला ने 95.80% अंक लेकर जनपद में चौथा स्थान प्राप्त किया विद्यालय ने 2100/–रु0की चेक ,प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया वहीं हाई स्कूल की बहिन रिया शर्मा व मोनिका शाह ने बराबर अंक 95.5% प्राप्त कर जनपद में नौवें स्थान पर रहीं विद्यालय ने इन दोनों को भी 2100/– रु0 की चेक , प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । इसके अतिरिक्त 90% व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले भैया बहिनों को भी एक स्कूल बैग , प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। ऐसे भैया बहिनों की संख्या 28 रही । इन भैया बहिनों के साथ–साथ इनके माता–पिता को भी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया । विद्यालय की प्रबन्ध समिति ने सभी आचार्यों व कर्मचारियों को भी नगद धनराशि देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार जी , कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह जी, प्रबन्ध समिति के सदस्य ओम प्रकाश निषाद, रामकृष्ण यादव ,सह नगर कार्यवाह अंजनी अग्निहोत्री जी व मुख्य अतिथि के रूप में अशोक कुमार तिवारी जी ने माँ सरस्वती जी के चरण

कमलों में पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी ने मंचस्थ अधिकारियों का परिचय कराया व प्रस्ताविकी प्रस्तुत की । हाई स्कूल व इण्टर मीडिएट बोर्ड परीक्षा के प्रभारी शिव सिंह जी ने परीक्षाफल वृत प्रस्तुत किया । अपने उदबोधन में प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी ने कहा कि अबकी बार हमारा लक्ष्य छात्रों का नाम प्रदेश की मेरिट सूची में लाना है। इसके लिए जुलाई से ही सुपर 30 की मेधावी कक्षाओं का संचालन शुरू किया जाएगा । उन्होंने बताया कि विद्यालय का हाई स्कूल व इण्टर मीडिएट परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

उन्होंने बताया कि इण्टर की बहिन का नाम प्रदेश की मेरिट लिस्ट में सिर्फ 1 नम्बर से रुक गया जिसका अफसोस है आगे से ऐसा न हो पूर्ण प्रयास किया जाएगा। प्रबन्धक जी ने भी छात्रों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने का वचन दिया । उन्होंने कहा अब कक्षाओं में व्हाईट बोर्ड लगाए जाएंगे और 3 कक्षाओं को स्मार्ट क्लास बनाया जाएगा जिससे भैया बहिनों को पढ़ाने में सुविधा रहेगी व उनको नवीनतम जानकारी भी प्राप्त होंगीं । कार्यक्रम में आये विभिन्न समाचार पत्रों के पत्रकारों को भी अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया । भूपेंद्र सिंह जी ने सभी अभ्यागत अधिकारियों का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन विद्या भारती व विद्यालय के जिला प्रचार प्रमुख रविशंकर श्रीवास्तव ने किया ।

मा. प्रदेश निरीक्षक जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ

शुक्लागंज उन्नाव, गोपीनाथपुरम स्थित स0वि 0म0इ0का0में अवध प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक जी के दो दिवसीय प्रवास के दौरान मिला छात्रों व आचार्यों को मा0 प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह जी का मार्गदर्शन । अपने प्रवास के दौरान आज सुबह वन्दना सत्र में आपकी गरिमामयी उपस्थिति से हम सब गौरान्वित हुए । वन्दना सत्र में ही वन्दना के पश्चात कक्षा 12 के छात्रों से सीधी बातचीत की जिसमें उन्होंने छात्रों से उनके लक्ष्य , समयसारणी व घर और स्कूल में अनुशासन व संस्कारों के विषय में बातचीत की । उन्होंने कहा कि यदि आप अभी से अपना लक्ष्य बनाकर चलते हैं तो अवश्य ही आप मंजिल को पाएंगे , किन्तु यदि आप परीक्षा के पूर्व ही तैयारी करने के लिए बैठे रहेंगे तो वह आपको नहीं मिल पायेगा जो आप और हम चाहते हैं ।उन्होंने इस दौरान खरगोश व कछुए की कहानी भी सुनाई । इसके पश्चात अवकाश के बाद संकुल के सभी आचार्यों की बैठक भी ली जिसमें उन्होंने आचार्यों से पूछा कि क्या आप नई शिक्षा नीति का कक्षा में क्रियान्वयन कर रहे हैं अथवा नहीं ।इसके अलावा कक्षा में आपका छात्रों के साथ किस प्रकार का व्यवहार रहना चाहिए ।मा0 प्रदेश निरीक्षक जी ने कहा कि अब नई शिक्षा नीति के अनुसार छात्रों को दण्ड देना अनुशासन हीनता के अंतर्गत आता है।छात्र की भी प्रशंसा की जानी चाहिए ताकि उसका भी मनोबल ऊँचा हो। विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी ने प्रदेश निरीक्षक जी को आश्वस्त किया कि इस बार हमारा लक्ष्य मेधावियों का नाम प्रदेश की बोर्ड परीक्षा में मैरिट लिस्ट में लाने का है इसे हम अवश्य ही परिलक्षित करेंगे ।इस अवसर पर सम्भाग निरीक्षक सुरेश जी व शिशु मंदिर गोपीनाथपुरम के प्रधानाचार्य दुर्गेश जी व ए0बी0 नगर उन्नाव के प्रधानाचार्य रमेश अवस्थी जी उपस्थित रहे । कल्याण मन्त्र के साथ बैठक का समापन हुआ ।

हमारा युवा ही कल का भविष्य है।

हमारा युवा ही कल का भविष्य है ।यह उदगार पूर्वी उत्तर प्रदेश व नेपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय सेवा संयोजक श्रीमान योगेश जी ने आज स0वि0म0इ0का0गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव के भैया , बहिनों को वन्दना सत्र में अपने उद्बोधन में कहे । उन्होंने ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें उनकी पुस्तकें पढनीन चाहिए जिनसे आप सभी को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा । उन्होंने कहा कि इस समय लोकतंत्र का पर्व चल रहा है जिसमें आप सभी की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए आप सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित करें और उन्हें मतदान केंद्रों तक ले जाने में सहयोग करें जिससे एक ऐसा प्रतिनिधि चुना जा सके जो भारत की विकास की ओर ले जाये। उन्होंने छात्र संसद का उदाहरण देते हुए कहा कि विद्यालय में जिस प्रकार से आप प्रत्येक कार्य को उचित और न्यायोचित ठंग से करते हुए विद्यालय को सदैव उच्चता की ओर ले जाने का कार्य करते हो वैसे ही हमे राष्ट्र के विकास के कार्य मे लगना है । आज आपने वन्दना सत्र मेंविद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी के साथ माँ शारदे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया व माँ शारदे की वन्दना की ।प्रधानाचार्य जी ने परिचय कराया व ए0टी0एल0 प्रमुख राहुल पांडेय जी से श्रीमान योगेश जी को अंगवस्त्र पहनवा कर स्वागत किया । संचालन जिला प्रचार प्रमुख रविशंकर श्रीवास्तव जी ने किया । इस अवसर पर विद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।

हरदोई संकुल

प्रथम स्थान प्राप्त किया

विद्याभारती संस्कृति शिक्षा संस्थान कुरुक्षेत्र – हरियाणा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराती हैं। इसी क्रम में सत्र–2023–24 में सम्पन्न अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता में अपनें विद्यालय सरस्वती शिशु /विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई के भैया आतिथेय प्रताप सिंह ने शिशु वर्ग में भारतीय शिक्षा समिति उ० प्र० में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रातः कालीन वन्दना सभा में भैया आतिथेय प्रताप सिंह से दीपप्रज्ज्वलन /पुष्पार्चन कराया गया तथा वन्दना के पश्चात सहायक आचार्य ललित बाजपेई के द्वारा भैया की उपलब्धि बताते हुए पटका पहनाकर स्वागत भी किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी ने भी भैया आतिथेय प्रताप का उत्साहवर्धन करते हुए आगे बाल वर्ग में भी स्थान प्राप्त करेंगे ऐसी कामना की। साहित्य एवं प्रमाणपत्र प्रान्त द्वारा भेजे जाने पर दिया जायेगा।

अम्बेडकर नगर संकुल

कन्या भारती का गठन किया गया

विवेकानंद शिशु कुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर में छात्र संसद एवं कन्या भारती का गठन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान डॉ मनीराम वर्मा जी (कोषाध्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति), श्रीमान ओम प्रकाश त्रिपाठी जी (प्रधानाचार्य बाबा रामशरण दास बालिका इंटर कॉलेज मखदूम नगर), श्रीमान राम भूषण मिश्रा जी (पूर्व पोस्ट मास्टर एनटीपीसी) उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान वीरेंद्र वर्मा जी ने आए हुए अतिथियों को अंग वस्त्र एवं विद्यालय का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रधानमंत्री पद एवं कन्या भारती अध्यक्ष पद के लिए भाषण प्रतियोगिता एवं वोट के माध्यम से विद्यालय के सांसदों ने अपना बहुमूल्य वोट दिया। आए हुए मुख्य अतिथि ने निर्णायक के रूप में अपनी भूमिका निभाई । इस अवसर पर छात्र संसद के प्रमुख आचार्य श्री प्रवीण मिश्रा जी, कन्या भारती प्रमुख आचार्य श्रीमती सीमा पांडेय जी, श्री रविंद्र प्रताप जी, श्री झारखंडेय जी, एवं सभी छात्र सांसद एवं कन्या भारती सांसद उपस्थित रहे।

गोण्डा संकुल

छात्र सांसद व कन्या भारती शपथ ग्रहण कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधवपुरम बड़गांव गोंडा में वंदना सभा में छात्र सांसद एवं कन्या भारती के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. श्रीमान दिलीप शुक्ला जी एलबीएस डिग्री कॉलेज के रसायन शास्त्र के प्रोफेसर उपस्थित थे। डा. श्रीमान दिलीप शुक्ला जी के द्वारा सभी भैया–बहनों को मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ।

अति महत्वपूर्ण तिथियां

माह जून–

5	ज्येष्ठ कृष्ण	शुक्रवार	विश्व पर्यावरण दिवस (कार्यक्रम)
6–18	ज्येष्ठ अमावस्या से ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	गुरूवार से मंगलवार	प्रान्तशः प्रधानाचार्य प्रशिक्षण वर्ग
19	ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	बुधवार	आचार्य आगमन एवं योगाभ्यास
20–29	ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से आषाढ़ कृष्ण अष्टमी	गुरूवार से शनिवार	प्रान्तशः नवचयनित आचार्य वर्ग
21	ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी	शुक्रवार	विश्व योग दिवस (कार्यक्रम)
22–29	ज्येष्ठ पूर्णिमा से आषाढ़ कृष्ण अष्टमी	शनिवार से शनिवार	विद्यालय स्तरीय विषयशः प्रशिक्षण वर्ग
25–29	ज्येष्ठ आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी से आषाढ़ कृष्ण अष्टमी	मंगलवार से शनिवार	क्षेत्रीय प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.
अवध प्रान्त
सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ